वार्तालाप नं.491, लक्कडमंडी-1 (जम्मू), दिनांक 13.01.08
Disc.CD-491, dated 13.01.08 at Lakkadmandi-1 (Jammu)

समय: 00.00-02.23

जिज्ञासु- शिवबाबा एक क्वेश्चन था। अभी आपने कहा ना जैसे सुप्रीम सोल जो है उसी ने ब्रह्मा बाबा में बड़ी माँ का पार्ट प्ले किया। अभी आपने मुरली में कहा कि ब्रह्मा बाबा जो हैं वो ऊपर से बड़े मीठे थे और अंदर से थोड़ा सा ये। तो जो पार्ट बजाने वाली सुप्रीम सोल थी तो वो तो.....।

Time: 00.01-02.23

Student: Shivbaba, there is a question. Just now you said that the Supreme Soul played the role of the senior mother in Brahma Baba. Just now you said in the Murli that Brahma Baba was very sweet from outside and from inside he was a little …..So, when the actor was the Supreme Soul, so then….

बाबा- वो तो पार्ट खोलने वाली है, जो भी पात्र हैं इस रंगमंच के। वो तो डायरेक्टर है पर्दे के पीछे रहता है हमेशा। वो तो कभी जन्म-मरण के चक्र में आने वाला है ही नहीं। लेकिन वो डायरेक्टर खुद गुप्त रह करके सदैव हम बच्चों के पार्ट खोलता है। तो उसने कोई ऐसी वाणी चलाई होगी। जिससे ब्रह्माबाबा का पार्ट ये साबित होता है कि क्रिश्चियनस से उनकी राशि मिलाई जाती है। क्या? सीढ़ी के चित्र में भी वही साबित होता है। राम वाली आत्मा आखरी जन्म में नीचे गिरी हुई है, पड़ी हुई है। ब्रह्मा बाबा खड़े हुए हैं। क्या मतलब? क्रिश्चियनस न ज्यादा नीचे गिरते हैं न ज्यादा ऊँचे उठते हैं। और राम वाली आत्मा ऊँची भी बहुत उठती है और नीचे भी बहुत गिरती है। क्रिश्चियनस में पाम्प एन्ड शो ज्यादा होता है। अपने को ज्यादा सभ्य दिखा करके संसार के सामने पेश करते हैं। अपनी हिस्ट्री को भी उन्होंने संसार में ये साबित कर दिया कि दुनियाँ में सबसे जास्ती पुरानी सभ्यता कहाँ की थी? ग्रीस की। ग्रीस के लोग जो हैं वो भारत में आए और उन्होंने आकरके यहाँ के लोगों को सभ्य बनाया। ऐसी हिस्ट्री सिखाए दी। माना भारतवासियों को असभ्य साबित कर दिया। और खुद को सभ्य साबित कर दिया।

Baba: He is the one who reveals the parts of all the actors of this stage. He is the director who remains behind the curtains always. He never comes in the cycle of birth and death. But that director Himself remains hidden always and opens the part of us children. So, He must have narrated some versions which prove the part of Brahma Baba where his zodiac signs match with the Christians. What? This fact is proved in the picture of the ladder too. The soul of Ram has fallen and is lying down in the last birth. Brahma Baba is standing. What does it mean? Christians neither experience much downfall nor do they rise much. And the soul of Ram rises very high as well as falls very low. There is a lot of pomp and show among Christians. They present themselves as very civilized people in front of the world. They also used the history to prove to the world, the oldest civilization of the world… which is it? [The] Greek [civilization]. [They say:] People of Greece came to India and they made the people of

this country civilized. They taught this history. It means that they proved Indians to be uncivilized and proved themselves to be civilized.

समय:2.27-3.35

जिज्ञासु- बाबा, अभी एक वाणी में बोला था कि मनु के औलाद मनुष्य। तो मनु तो बोला जो मनन-चिंतन ज्यादा करता है। तो मनु तो माना जाता है ब्रह्माबाबा को।

बाबा- नहीं। माना जाता है। लेकिन पहला ब्रह्मा कौन हुआ? प्रजापिता ब्रह्मा पहला है या दादा लेखराज पहला ब्रह्मा है? विष्णु के चार रूप हैं, चार भजायें हैं। तो चार ब्रह्मा के रूप भी दिखाए जाते हैं। चार मुख दिखाते हैं। तो कोई सामने वाला मुख भी होगा ना।

जिज्ञासु- सामने वाला मुख प्रजापिता।

बाबा- प्रजापिता हुआ। तो मनु हुआ। मनन-चिंतन-मंथन जिसने ज्यादा किया उसका नाम मनु पड़ा। ज्यादा मनन-चिंतन-मंथन किसने किया? यज्ञ के आदि में भी दादा लेखराज के साक्षात्कारों का अर्थ कहाँ से प्रत्यक्ष हुआ? और गुरूओं की तो बुद्धि ही नहीं चली।

Time: 2.27-3.35

Student: Baba, just now it was told in one Vani that the children of Manu are called *manushya* (human beings). So, it was told that Manu means the one who thinks and churns a lot. So, Brahma Baba is believed to be Manu.

Baba: No. He is supposed to be. But who is the first Brahma? Is Prajapita Brahma the first [Brahma] or is Dada Lekhraj the first Brahma? There are four forms, four arms of Vishnu. So, four forms of Brahma are depicted as well. Four faces are shown. So, there must also be a face which is in the front.

Student: The face on the front is Prajapita.

Baba: He is Prajapita. So, he is Manu. The one who thought and churned a lot was named Manu. Who thought and churned a lot? Even in the beginning of the yagya, where were the meanings of the visions of Dada Lekhraj revealed? The intellect of other gurus did not work at all.

समय:19.34-21.50

जिज्ञासु- बाबा कहते हैं हर समय काम करते हुए बाप को अपने साथ अनुभव करना चाहिए। वो कैसे?

बाबा- जितना गुड़ डालेंगे उतना मीठा होगा। जहाँ हमारा तन होगा वहाँ हमारा मन होगा, याद आएगी। जहाँ हमारा धन होगा वहाँ हमारा मन होगा। कोई आदमी अपनी जिंदगी की सारी कमाई जो है वो किसी कारखाने में लगा दे बुढापे में। तो उसका मन कहाँ जाएगा? कारखाने में ही जाएगा ना। दूसरी जगह कैसे जाएगा। तो हम अपने तन की शक्ति, अपने हाथ-पाँव से जो कुछ भी कमाया है वो धन की शक्ति, अपने मन की शक्ति, अपने समय की शक्ति। समय भी एक शक्ति है ना। शक्ति नहीं है समय? हम जो समय लगाते हैं किसी काम में कम लगाते हैं, किसी काम में ज्यादा लगाते हैं। जिसमें हमारा दिल ज्यादा लगा हुआ है वहाँ टाईम ज्यादा लगायेंगे। समय की शक्ति, संबंधों की शक्ति, जो लोग संपर्क में आते हैं उन

संपर्कियों की शक्ति। हम कहाँ लगा रहे हैं? जहाँ हम सारी शक्तियाँ उंडेल देंगे। वहाँ हमारा मन ऑटोमेटिक जाएगा ही जाएगा।

Time: 19.34-21.50

Student: Baba says, 'We should feel the Father to be with us always while doing any work'. How can we do that?

Baba: The more *jaggery* you add, the sweeter the dish would be. Our mind will be wherever our body is present, and we will remember (that person or thing or place). Our mind will be wherever our wealth is. A person invests his life-long earnings in a factory in his old age. So, where will his mind go? It will think only about the factory, will it not? How will it think about anything else? So, if we invest our physical power, the power of wealth that we have earned through our arms and legs, our mental power, our power of time; time is also a power, isn't it? Is time not a power? The time that we invest; we invest less in one task and invest more in some other task. We invest more time wherever our heart goes. Where are we investing the power of time, the power of relationships, and the power of people who come in our contact? Our mind will automatically go wherever we invest all our power.

जिज्ञासु- आज मुरली में भी बोले ना जिससे प्राप्ति होती है उनको लगावपूर्वक याद किया जाता है, बाप को। लेकिन बाबा, बाबा से जो प्राप्ति होती हैं उनसे लगाव होता है। लेकिन आत्मायें जो परिवार में आपस में लगाव करते हैं उनसे तो कोई प्राप्ति नहीं होती है फिर भी क्यों लगाव हो जाता है?

बाबा- ये समझ की बात है ना। ये अपनी-2 समझ की बात है। समझ है इतनी अक्ल है तो समझते हैं, समझ सकते हैं। इतनी अक्ल नहीं है तो कहाँ से समझेंगे?

जिज्ञासु- बाबा, रोते भी हैं... इतनी अक्ल होते हुए भी ।

बाबा- उनको बुद्धिमान बाप के बुद्धिमान बच्चे कहेंगे?

जिज्ञासु- नहीं।

Student: It was also said in today's Murli that we remember the one from whom we achieve something, the Father. But Baba, we have attachment for Baba, from whom we achieve attainments. But the souls, which have attachment within the family; they do not achieve anything from them, still, why do they develop attachment for them?

Baba: This is to be understood, isn't it? This is about individual understanding. They understand, they are wise enough, then they understand, they can understand. If they are not wise enough, how can they understand?

Student: Baba, they also cry…..in spite of having some wisdom…

Baba: Will they be called the intelligent children of the intelligent Father?

Student: No.

समय- 25.02-26.30

जिज्ञासु- ब्रह्मा बाबा के जन्म लेने से पहले कितनी संख्या होगी?

बाबा- ब्रह्मा बाबा के जन्म लेने से पहले संसार की कितनी संख्या होगी? ब्रह्मा बाबा के जन्म लेने से पहले संसार की संख्या सिर्फ 8 ही होगी। ये भी कोई नई बात है? पहले पत्ते के भी

पूवर्ज कौन हैं? हर धर्म के पूवर्ज कौन हैं? 8 ही हैं। आखिर कृष्ण का जो जन्म होगा सतयुग में। पहले पत्ते का जो जन्म होगा तो परिवार के बीच में होगा कि परिवार होगा ही नहीं? परिवार तो होगा।

Time: 25.02-26.30
Student: What will be the population before the birth of Brahma Baba?
Baba: What will be the population of the world before the birth of Brahma Baba? Before the birth of Brahma Baba the population of the world will be just eight. Is this a new thing? Who are the ancestors of the first leaf? Who are the ancestors of every religion? Only eight. Ultimately, when Krishna is born in the Golden Age, when the first leaf is born, will he be in a family or will there not be any family at all? There will certainly be a family.

जिज्ञासु- तो उसके पहले जो ये कायाकल्प है... पहले नहीं होंगे?

बाबा- उनकी काया होगी ना आठ की पहले से ही।

(जिज्ञासु ने कुछ कहा)-

बाबा- आठ की ही कंचनकाया पहले से ही होगी।

जिज्ञासु- तो फिर फिर बाद में होगी या पहले से ही होगी?

बाबा- आयेंगे लेकिन बर्फ में से पहले निकलेंगे या बाद में निकलेंगे?

जिज्ञासु- कायाकल्प के पहले आयेंगी।

बाबा- बर्फ में दबी हुई हैं। हुआ, हुआ न हुआ बराबर हो गया। काया बाहर आनी चाहिए ना संसार में देखने में आनी चाहिए ना। चलती फिरती होनी चाहिए ना। तो जो बर्फ में दबे हुए हैं उनको जड़ कहेंगे या चैतन्य कहेंगे? वो तो जड़ हैं उनमें से आत्मा ने प्रवेश ही नहीं किया है उनमें अभी। चैतन्य तब कहें जब बोलता-चालता हो। वो बाहर आयेंगे तब ही तो कहा जाएगा बोलता-चालता।

Student: So, before that *kayakalpa* (transformation of the body into a deity-like body)… will it happen before?
Baba: The eight will already have a body. (Student said something) The eight will already have achieved *kanchankaya*.
Student: So, then……..will it be achieved afterwards or beforehand?
Baba: They will come, but will they emerge from the ice first of all or later on?
Student: They will come before achieving the *kayakalpa*.
Baba: They are buried under ice. Whether they achieved or not, it is one and the same. The body should come out; it should be visible to the world, should it not? It should be a moving one. So, will those who are buried under ice be called non-living or living? They are non-living; the soul has not entered them at all yet. They will be called living ones when they speak and move. Only when they come out (of ice) they will be called 'talking and moving beings'.

समय-34.20-36.12

जिज्ञासु- बाबा, एक माताजी पूछ रही है कि एडवांस पार्टी तो मजबूरी से मिली हुई। तो मजबूरी से मिलना अच्छा है या उनको किनारा कर देना ठिक है? क्योंकि कोई बेसिक में चलते हैं। एक फैमेली आ जाता है एडवांस में बाजू वाले नहीं आते। वो तो टोन्ट मारते रहेंगे एडवांस का तो उनको मजबूरी से, प्यार से रहना है या किनारा करके उनसे बात ना करें, छोड़ देना है? आपस में मिलके रहना ही ठीक है।

Time: 34.20-36.12

Student: Baba, a *mataji* is asking that the advance party is united under compulsion. So, is it better to be united under compulsion or is it better to maintain a distance from each other? It is because suppose someone is following basic (knowledge). One family enters advance; the neighbours don't come. So, they keep taunting about the advance (knowledge); so should we maintain relationship with them under compulsion or affectionately or should we leave them and stop talking to them? It is better to live affectionately.

बाबा- ये तो वो सोचेगा जिसने पक्का बुद्धि में न किया हो कि शिवबाप की माला ज्यादा श्रेष्ठ है या विष्णु माला ज्यादा श्रेष्ठ है या इस्लामियों की ज्यादा माला श्रेष्ठ है। तो कौनसी माला में जाना चाहेंगे? कौनसे संगठन में जायेंगे यहाँ से छोड़करके? ज़रूर उनकी दिमाग में कोई और ज्यादा श्रेष्ठ दिखाई पड़ रहा है। मिलता हुआ दिखाई पड़ रहा है। तब तो ये बात बुद्धि में आ रही है। अगर ये बुद्धि में बैठ जाए कि भगवान एक ही माला बनाता है। राजाओं की माला और वो ऊँचे से ऊँची माला है। बाप के सिमरणी के मणके हैं। तो उस परिवार को कोई छोड़कर जाएगा क्यों? भले! वर्तमान में उसकी कैसी भी नीची स्टेज हो उस संगठन के परिवार की। अरे! परिवार होता है घर में परिवार की हालत गिरी हुई है। तो गिरी हुई हालत देखकरके कोई दूसरे परिवार में, बड़े परिवार में चला जाता है क्या? नहीं जाता है ना। तो यहाँ अगर हमने परिवार समझ लिया कि हमारे शिवबाप का ये परिवार है। तो छोड़कर कहीं दूसरी जगह जाने का दिल होगा। हमारा परिवार है, हमारे बाप का परिवार है। राजाओं का परिवार है।

Baba: Only the person who has not decided whether the Father Shiv's rosary is more righteous or Vishnu's rosary is more righteous or the rosary of the Islamic people is more righteous will think like this. So, which rosary do you want to be included in? After leaving this gathering, which gathering will you join? Certainly you are thinking of someone else as a more righteous one. You are seeing that your [sanskars] match with someone else. Only then such things are coming to your intellect. If it sits in the intellect that God prepares only one rosary, the rosary of kings, and that is the highest rosary. They are the beads of Baba's rosary. So, why will he leave that family? That family, that gathering may be in however much lower stage at present; arey, if there is a family; if it is in a downtrodden condition; so, by seeing that downtrodden condition, does anyone join another family, a bigger family? One does not go, does he? So, if we have recognized our family, that this is the family of our Father Shiv, then will we like to leave it and go anywhere else? It is our family. It is our father's family. It is a family of kings.

समय-52.10-53.00

जिज्ञासु- बाबा, मुरली में कहते हैं ना। प्रजापिता भी ब्राह्मण बने बिगर प्रजापिता बनता है क्या। तो 76 में प्रजापिता पहले ब्राह्मण कैसे बनेगा? तब तो ब्रह्मा शरीर छोड़ दिया 69 में तब तो वो ज्ञान में आता है।

बाबा- 76 में 100 वर्ष आयु किसकी पूरी होती है? पहले ब्रह्मा की आयु पूरी होती है ना। तो जब ब्रह्मा ही ना रहा उसका मृत्यु लोक खलास हो गया। तो वो क्या बन गया? वो तो अमरलोक में आ गया। वो तो देवता बन गया। देने वाला बन गया। लेने की इच्छा वाला नहीं है।

Time: 52.10-53.00
Student: Baba, it is said in the Murli, does Prajapita become Prajapita without becoming a Brahmin? So, in (19)76, how did Prajapita first become a Brahmin? At that time Brahma had left his body in 1969; only after that he enters the path of knowledge.
Baba: Who attains 100 years age in (19)76? The first Brahma completes his age, doesn't he? So, when he is not Brahma at all, when the abode of death has finished for him, so, what did he become? He entered the abode of immortality. He became a deity. He became a giver. He does not have a desire to take.

समय-01.09.10-01.11.03

जिज्ञासु- बाबा, शास्त्रों में है कि जब आत्मा एक बार परमात्मा के सन्मुख होती है तो कोटि जन्म के पाप नष्ट हो जाते हैं। तो हम जैसे जो बाबा के बच्चे हैं वो तो कई बार बाबा के सन्मुख होते हैं तो वो तो अब तक वो पाप कैसे दिख रहे हैं?

बाबा- कौनसे पाप?

जिज्ञासु- जो हमने 63 जन्मों में किए हैं।

Time: 01.09.10-01.11.03
Student: Baba, in the scriptures….it is mentioned that when a soul is face to face with the Supreme Soul, then the sins of a thousand births are burnt. So, we are Baba's children; we remain face to face with Baba numerous times; so how is it that we are still sinful?
Baba: Which sins?
Student: Those that we have committed in 63 births.

बाबा- सन्मुख होना। मुख के सामने जाके मुख लगा देना उसको सन्मुख कहते हैं या अंदर से भी सन्मुख हो उसे सन्मुख कहते हैं? **(जिज्ञासु ने कुछ कहा)** ना। सन्मुख माना क्या है? ये स्थुल मुख के सामने स्थूल मुख, नाक से नाक भिड़ा दी वो सन्मुख है या अंदर से सन्मुख होता है? अंदर से सन्मुख होना चाहिए। अंदर से दिल वहीं लगी हुई है जहाँ तन, मन, धन लगा हुआ है। बाहर से सन्मुख आ गए। तो बाबा क्या मूर्ख है क्या? बुद्धु है? **(जिज्ञासु ने कुछ कहा)** अंदर से एक और बाहर से दूसरा। **(जिज्ञासु ने कुछ कहा)-** बाबा तो

कहते हैं कि जो अंदर से एक और बाहर से दूसरा है ....। **(जिज्ञासु ने कुछ कहा)** वो प्रैक्टिकल में परीक्षा होगी।

जिज्ञासु- हाँ। परीक्षा तो होगी इसीलिए तो।

बाबा- हाँ। ऐसे नहीं कि सिर्फ मुँह का बक्का हो जाएगा कि हम बाहर से तो 100 पर्सेन्ट, 99 पर्सेन्ट बाबा के हैं एक पर्सेन्ट घर वालों के हैं। परिवार वालों के हैं। प्रैक्टिकल परीक्षा होगी। ये ज्ञान तो प्रैक्टिकल है सारा। फाइनल परीक्षा तो बड़ी गज़ब की परीक्षा है।

Baba: Being face to face (*sanmukh*). Does taking your face in front of someone's face called being face to face with someone or if someone is in front of someone through the mind he is called face to face? (Student said something) No. What is meant by being face to face? Is someone said to be face to face if you bring your physical face in front of the physical face, if you rub your nose with someone's nose, or is someone face to face from within? Someone should be face to face from within. From within, the heart is where the body, the mind, the wealth is. And from outside you came face to face. So, is Baba a fool? Is He a fool? (Student said something) If someone is different from within and without (Student said something) Baba says the one who is different from within and without…..(Student said something) that test will take place in practical.

Student: Yes. The test will take place. This is why.

Baba: Yes. It is not as if you speak through your mouth that you belong 100 percent to Baba, 99 percent to Baba and you belong one percent to the members of the family; a practical test will be taken. This knowledge is entirely practical. The final test is a wonderful test.

समय-01.11.25-01.12.00

जिज्ञासु- बाबा, भक्तिमार्ग में शंकर को जो है कहीं-2 दाढ़ी मूँछ भी दिखाया जाता है। उसका क्या अर्थ है?

बाबा- क्यों वो प्रजापिता ब्रह्मा नहीं है? वो ब्रह्मा नहीं है क्या? वो ब्रह्मा है कि नहीं पहला? तो ब्रह्मा है तो वो पतित है कि पावन है? जब पतित है तो ब्रह्मा है और जब फरिश्ता है तो शंकर है। निराकार है तो भगवान है।

Time: 01.11.25-01.12.00

Student: Baba, Shankar of the path of *bhakti* is sometimes shown with beard and moustache. What does it mean?

Baba: Why, isn't he Prajapita Brahma? Is he not Brahma? Is he not the first Brahma? So, if he is a Brahma, then is he sinful or pure? When he is sinful, he is Brahma and when he is an angel, he is Shankar. If he is incorporeal he is God (*bhagwaan*).

……

Note: The words in italics are Hindi words. Some words have been added in the brackets by the translator for better understanding of the translation.